https://www.ccsustudy.com

N (Printed Pages 4)

(201217) Roll No. .....

B.A. LL.B. - VII Sem.

NP-3522

B.A. LL.B. Examination, Dec.-2017

Interpretation of Statutes and Principle of Legislation

(BL-703)

Time : Three Hours] *[Maximum Marks : 100*

Note : Attempt **all** the sections as per instructions.

नोट : **सभी** खण्डों का निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।

Section - A

खण्ड - क

(Very Short Answer Questions)

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

Note : Attempt **all** the questions.

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 4×5=20

1. Explain the meaning of the interpretation of statutes.
संविधियों के निर्वचन के अर्थ को स्पष्ट कीजिए।
2. Explain 'Noscitur a Sociis'.
'सहचार्येण ज्ञायते' का अर्थ स्पष्ट करें।

P.T.O.

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

3. What do you understand by term 'Presumption? Give answer with example.
'अवधारणा' से आप क्या समझते हैं? उत्तर उदाहरण की सहायता से दीजिए।
4. What is beneficial construction of statute?
संविधि का हितप्रद अर्थान्वयन सिद्धान्त क्या है?
5. Explain the term 'Social Welfare Legislation'.
'सामाजिक कल्याणकारी विधायन' पद की व्याख्या कीजिए।

Section - B

खण्ड - ख

(Short Answer Questions)

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

Note : Attempt any **two** questions.

नोट : किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 10×2=20

6. What is meant by strict construction of Penal Statutes? Why should the penal laws be strictly construed?
दाण्डिक अधिनियमों का कठोरतापूर्वक अर्थ करने से क्या अभिप्राय है? दाण्डिक विधि का कठोरतापूर्वक अर्थान्वयन क्यों किया जाना चाहिए।
7. Discuss the Harmonious Construction principle of interpretation.
निर्वचन के 'सामन्जस्यपूर्ण अर्थान्वयन सिद्धान्त की विवेचना कीजिए।

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

8. Write short note on any **one** of the following:
निम्नलिखित किसी **एक** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए:

(a) Conjuctive and disjunctive enactments.
संयोजक एवं वियोजक अधिनियमितताये

(b) Golden rule of interpretation.
निर्वचन का स्वर्णिम नियम

Section - C
खण्ड - ग
(Long Answer Questions)
(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

Note : Attempt any **three** questions.
नोट : किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 20×3=60

9. What canons of interpretations Indian Judiciary adopts while interpreting the Indian constitution? Examine.
भारतीय संविधान का निर्वचन करते समय भारतीय न्यायपालिका निर्वचन के किन सिद्धान्तों को अपनाती है? परीक्षण कीजिए।

https://www.ccsustudy.com

10. What are the internal aids to constructions? Write a short note on each of the following as an aid to the interpretation of statutes:
निर्वचन की आन्तरिक सहायिकायें कौन सी है? निम्न में से प्रत्येक जो कि संविधियों के निर्वचन में सहायक उपकरण है, की संक्षिप्त टिप्पणी कीजिये:

(i) Title
नाम

https://www.ccsustudy.com

https://www.ccsustudy.com

(ii) Interpretation clause
निर्वचन खण्ड

(iii) Preamble
प्रस्तावना

(iv) Headings
शीर्षक

(v) Marginal notes
पार्श्व टिप्पणी

(vi) Schedule
अनुसूचियाँ

11. Discuss the principle of interpretation, "Mischief rule" or "Heyden's rule", with reference to decided cases.
निर्वचन के "आरिष्टि नियम" अथवा "हेडेन के नियम" के सिद्धान्त को न्यायालय द्वारा निर्णित वादों की मदद से स्पष्ट कीजिए।

12. Write a note on any **one** of the following:
(a) Law and social change
(b) Interpretation of Taxing statutes.
निम्नलिखित किन्हीं **एक पर** टिप्पणी लिखिये :
(a) विधि एवं सामाजिक परिवर्तन।
(b) कराधान संविधियों का निर्वचन

13. What is 'judicial review'? Is judicial review or interpretation of statute same thing? Explain.
'न्यायिक पुनर्विलोकन' क्या है? क्या न्यायिक पुनर्विलोकन एवं संविधियों का निर्वचन एक ही प्रक्रिया है? स्पष्ट कीजिये।

https://www.ccsustudy.com